गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र, **केरवा भोपाल** में पाले गये **6** गिद्धों को पहली बार उनके **प्राकृतिक आवास 'हलाली डेम के वन क्षेत्र'** में छोड़ा गया।

मुख्य बिंदु

गिद्धों की मुक्ति:

- सभी गिद्धों पर **सोलर पॉवर्ड GPS-GSM ट्रैकर (Ornitrack-25)** लगाए गए हैं।
- जिससे उनके **आवागमन के पैटर्न** और **आवास उपयोग** की निगरानी की जा सके।
- मध्य प्रदेश में गिद्धों के संरक्षण के लिये **वन विहार** एवं बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के संयोजन से **गिद्ध सरक्षंण प्रजनन केंद्र** की शुरुआत वर्ष 2014 में की गई थी।

गिद्ध के विषय में:

- यह मृत जानवर खाने वाले पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक है, जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं।
- ये प्रकृति के कचरा संग्रहकर्त्ता के रूप में एक महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण से कचरा हटाकर उसे साफ रखने में मदद करते हैं।
  - गिद्ध वन्यजीवों की बीमारियों को नियंत्रण में रखने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- भारत गिद्धों की 9 प्रजातियों यथा- ओरिएंटल व्हाइट बैकड (Oriental White Backed), लॉन्ग बिल्ड (Long Billed), स्लेंडर-बिल्ड (Slender Billed), हिमालयन (Himalayan), रेड हेडेड (Red Headed), मिस्र देशीय (Egyptian), बियरडेड (Bearded), सिनेरियस (Cinereous) और यूरेशियन ग्रिफॉन (Eurasian Griffon) का घर है।
  - इन 9 प्रजातियों में से अधिकांश के विलुप्त होने का खतरा है।
  - बियरडेड, लॉन्ग बिल्ड और ओरिएंटल व्हाइट बैकड वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (Wildlife Protection Act), 1972 की अनुसूची-1 में संरक्षित हैं। बाकी 'अनुसूची IV' के अंतर्गत संरक्षित हैं।

खतरे :

- **डाइक्लोफेनाक (Diclofenac)** जैसे विषाक्त जो पशुओं के लिये दवा के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- मानवजनित गतिविधियों के कारण प्राकृतिक आवासों का नुकसान।
- भोजन की कमी और दूषित भोजन।
- बिजली लाइनों से करंट।

बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS):

- BNHS एक **अखिल भारतीय वन्यजीव अनुसंधान संगठन** है, जो **वर्ष 1883** से प्रकृति संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है।
- **उद्देश्य:** BNHS का उद्देश्य अनुसंधान, शिक्षा एवं सार्वजनिक जागरूकता के आधार पर कार्रवाई के माध्यम से प्रकृति का संरक्षण मुख्य रूप से जैवविविधता का संरक्षण करना है।
- BNHS आम जनता के लिये प्रकृति ट्रेल्स और शिविरों का आयोजन और संचालन भी करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/vulture-conservation-and-breeding-centre